सादर प्रकाशनार्थ,

ब्रह्माकुमार अनंगपाल को शांति एवं मानवता के प्रयास के लिये सम्मानित

कोरबा–5.09.2016– जमाअत–ए–इस्लामी हिन्द के सानिध्य में शान्ति एवं मानवता विषय पर एक कार्यशाला वीर सावरकर भवन कोरबा में आयोजित की गई। मोहम्मद इकबाल मुल्ला साहब, राष्ट्रोय सचिव, जमाअत–ए–इस्लामी हिन्द दिल्ली की अध्यक्षता में शहर के अनेकानेक धार्मिक व सामाजिक जिम्मेदारान लोंगों ने भाग लिया तथा अपने विचार व्यक्त किये। मोहम्मद इकबाल मुल्ला साहब न कहा कि जमाअत–ए–इस्लामी हिन्द ने देश में अमन, शांति, भाईचारे के लिये राष्ट्रोय स्तर पर प्रयास किये हैं। आपने कहा कि हम सभी को घर–परिवार व व्यवसाय तक अपनी विचार धारा को सीमित न रख उसे विस्तार कर मोहल्ला समाज और भारत देश में शांति और मानवता की स्थापना तक लाना चाहिए। इस मुहिम में हिन्दु मुस्लिम सिक्ख ईसाई व जैन किसी भी धर्म का हो उसे जुड़ना चाहिए। मेरा स्वयं का प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से बहुत दिनों से पुराना रिस्ता है। ओमशंति रिट्रीट सेन्टर दिल्ली में 12–15 बार जा चुका हूँ। आपने कहा कि शरीर और जिस्म, इन दोनों के धर्म में अंतर नहीं होना चहिये। अल्लाह कौन है? कैसा है? इस बात को अल्लाह को स्वयं ही बतलाना चाहिए, अपने बन्दों को, कि वह कौन है? कैसा है? हमसे क्या चाहता है? और हम किस तरह से उसकी इच्छाओं को पूरा करें? गायत्री परिवार से भी हमारे अच्छे संबंध हैं।

ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने कहा कि वैसे तो खुदा दोस्त कहते हैं जिससे हम अपने दिल की बातें कर सकते हैं। इसके साथ ही परमपिता, परमशिक्षक, साजन, सद्गुरू आदि संबधों के सुख भी उस एक से ही प्राप्त कर सकते हैं। समाज सेवी रश्मि बहन ने कहा कि हम सद्भावना शांति और सुकून की बातें कर रहें हैं उसकी शुरूआत हमें स्वयं, परिवार व मोहल्ले से ही करनी चाहिए। ब्रह्माकुमार अनंगपाल ने कहा कि जिस तरह से आज जमाअत–ए–इस्लामी हिन्द द्वारा सभी सम्प्रदाय और धर्मों के मत भेदों से दूर, एक मंच पर सभी को एकत्रित कर विषय साम्प्रदायिक शांति एवं सदभाव, क्यूं और कैसे? परिचर्चा का आयोजन किया है। सभी को बोलने का समान अवसर दिया है। इस तरह के आयोजन प्रति वर्ष किये जाते हैं और पवित्र कुरान का संदेश देकर आपसी भाई चारे की भावना को बढ़ावा देते हैं। लेकिन स्थानीय लोगों को ऐसे आयोजन प्रति माह करने चाहिए। जिससे आपसी मेल मिलाप बढ़ेगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ईद हो या मिलादुन्नबी का पर्व, सभी की खुशियों में सम्मिलित होता है और ऐसे अवसरों पर अनेकानेक आयोजन किये जा चुके हं। मै मोहम्मद इकबाल मुल्ला साहब जी का हृदय से आभारी हूं जो इस तरह आपसी भाईचारे और सद्भाव स्थापना के लिये प्रयास करते रहते हैं। भाई वाहिद जी का भी मैं शुकगुजार हूँ जो समय–समय पर संस्थान के साथ जुड़कर कार्यकम के आयोजनों में अपनी सहभागिता निभाते हैं। आज इस तरह की जमात व महफिल में, शांति और मानवता अभियान के अंर्तगत् सद्भावना पुरस्कार 2016 के लिए, मेरा चयन कर सम्मानित किया गया है। इसका मैं तहे दिल

से जमाअत–ए–इस्लामी हिन्द एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का सदैव ऋणी रहूंगा।

मानवीय सेवा में , ब्रह्माकुमारी रूकमणी